जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 151 प्रभात कोटा, सोमवार 17 मार्च, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

बलूच आर्मी ने पाकिस्तान सेना के 90 जवान मारे

बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना के आठ मिलिट्री वाहनों के काफिले को निशाना बनाया

- क्वेटा से ताफ्तान जा रहे मिलिट्री काफिले पर नोशकी के हाईवे के पास बीएलए की मजीद और फतेह बिग्रेड ने हमला किया।

इस्लामाबाद, 16 मार्च। पाकिस्तानी सेना पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) इन दिनों खूब कहर बरपा रही है। बलूच विद्रोहियों ने रविवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 90 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया है।

क्वेटा से ताफ्तान जा रहे 8 मिलिट्री वाहनों पर नोशकी के हाईवे के पास हमला किया गया। बीएलए के अनुसार, उसकी मजीद और फतेह ब्रिगेड ने सेना के काफिले पर सुसाइड बॉम्बिंग की।

जानकारी के मुताबिक एक फिदायीन लड़ाका विस्फोटकों से भरी गाड़ी लेकर सेना के काफिले से टकरा गया। इसके बाद फतेह स्क्वॉड ने सेना के काफिले में घुसकर हमला किया।

जिस वाहन पर सुसाइड अटैक किया गया था, वो पूरी तरह तबाह हो गया। घायलों को नोशकी के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इलाके में इमरजेंसी लागू कर दी गई है।

बीएलए ने दावा किया है कि मजीद ब्रिगेड ने पाकिस्तानी सेना के काफिले पर फिदायीन हमला किया, इसके बाद बीएलए के फतेह दस्ते ने हमला किया, जिससे मरने वाले पाकिस्तानी सैनिकों की कुल संख्या 90 हो गई। इस काफिले में 8 बसें शामिल थीं, जो क्वेटा से ताफ़्तान जा रही थीं। बलूचिस्तान के नोशकी में आरसीडी हाईवे पर काफिले को निशाना बनाया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना के काफिले पर इस फिदायीन हमले के बाद 3 पाकिस्तानी हेलीकॉप्टर नोशकी भेजे गए। अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, वहीं एंबुलेंस लगातार एफसी मुख्यालय की ओर दौड़ रही हैं।

पाकिस्तानी पुलिस ने बलूच आर्मी के दावे के विपरीत कहा है कि सड़क के पास पड़े एक बम में विस्फोट हुआ।

सैनिकों को लेकर वहां से गुजर रही बस इसकी चपेट में आ गई। हमले में पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जबकि 10 घायल हुए हैं। मृतकों और घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

ज्ञातव्य है कि पांच दिन पहले बीएलए ने पाकिस्तान में पैसेंजर ट्रेन का अपहरण कर लिया था। बीएलए का दावा था कि उसने ट्रेन से बंधक बनाए 214 पाकिस्तानी सेना से जुड़े लोगों को मार डाला है।

हालांकि इस मामले में पाकिस्तानी सेना ने कहा था कि उसके सिर्फ 28 सैनिक मारे गए थे और सभी 33 बलूच लड़ाकों को ढ`र कर दिया गया था।

नाइट क्लब में भीषण आग, 51 लोगों की मौत, 100 घायल

स्कोप्जे (उत्तर मैसिडोनिया), 16 मार्च। उत्तर मैसिडोनिया के दक्षिणी शहर कोकानी के एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात लगी भीषण आग में 51 लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 अन्य घायल हो गए। अग्निशमन विभाग जब तक मदद को पहुंचता, तब तक इन लोगों की जान जा चुकी थी। घायलों में कई की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

गृह मंत्री पांसे तोशकोवस्की ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। तोशकोवस्की ने बताया कि आग देर रात 2:35 बजे एक स्थानीय पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान लगी। उन्होंने कहा कि क्लब में जाने वाले युवाओं ने आतिशबाजी की जिससे आग लग गई। तोशकोवस्की ने कहा कि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति की संलिप्तता के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

- बताया जा रहा है कि उत्तर मैसिडोनिया के कोकानी शहर के नाइट क्लब में एक पॉप संगीत कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा की गई आतिशबाजी के कारण यह आग लगी।

प्रधानमंत्री मिकोस्की ने एक्स पर लिखा- नॉर्थ मैसेडोनिया के लिए यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरविंद सिंह मेवाड़ का लंबी बीमारी के बाद देहावसान

सोमवार को महासतिया मोक्षस्थल पर अंतिम संस्कार होगा, सिटी पैलेस पर्यटकों के लिये बंद

उदयपुर,16 मार्च (का.स.)। मेवाड़ रियासत के पूर्व राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का रविवार को निधन हो गया, वे 81 वर्ष के थे। तेरह दिसंबर 1944 को जन्में अरविंद सिंह लंबे समय से बीमार थे। वे सिटी पैलेस के शंभू निवास में रहते थे और यहीं उनका इलाज भी हो रहा था। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को महासतिया स्थित मोक्ष स्थल पर होगा। उनके निधन से पूरे शहर में शोक की लहर छा गई है। निधन के बाद सिटी पैलेस को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।

- उदयपुर को पर्यटन के विश्व मानचित्र में स्थान दिलाने का श्रेय इनको जाता है। भारत में डेस्टिनेशन वैडिंग के ट्रेड की शुरुआत भी अरविंद सिंह ने ही की थी।

स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़

भगवत सिंह मेवाड़ और माता सुशीला कुमारी मेवाड़ के पुत्र अरविंद सिंह मेवाड़ एचआरएच ग्रुप के प्रबंध निदेशक थे। पिता अरविंद सिंह के निधन से व्यथित डॉ.लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ शंभू निवास की सीढ़ि यों पर बैठे काफी देर तक रोते हुए दिखे। परिवार में उनकी पत्नी विजयराज कुमारी, पुत्र डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ व दो पुत्रियाँ भार्गवी व पद्मजा हैं। ज्ञातव्य है कि अरविन्द सिंह मेवाड़ के बड़े भाई महेन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोर्ट जाँच अधिकारी का काम नहीं करता है'

जयपुर, 16 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई में जारी आरोप पत्र को तब तक याचिका में चुनौती नहीं दी जा सकती, जब तक यह सिद्ध न हो जाए कि आरोप पत्र जारी करने वाला अधिकारी कार्रवाई आरंभ करने के लिए सक्षम नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिका को निस्तारित करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता जांच अधिकारी के समक्ष अपने साक्ष्य रखे। जस्टिस अनूप कुमार

- हाई कोर्ट ने कहा, अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये जारी आरोप पत्र को याचिका में चुनौती तभी दी जा सकती है, जब आरोप पत्र जारी करने वाला उसके लिये सक्षम नहीं हो।

ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश पुलिस कांस्टेबल जगदीश प्रसाद की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि किसी भी मामले में न्यायालय कर्मचारी पर लगाए आरोपों की सत्यता का निर्णय करने के लिए जांच अधिकारी या अनुशासनात्मक प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं कर सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कल से शुरु होगा प्रतिष्ठित रायसीना संवाद का 10वां संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी उद्घाटन करेंगे तथा न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन मुख्य अतिथि होंगे

- इस वर्ष रायसीना संवाद का विषय है, ''कालचक्र- लोग, शांति और पृथ्वी''। तीन दिन के कार्यक्रम में करीब 20 देशों के विदेश मंत्री भाग लेंगे।

नयी दिल्ली, 16 मार्च। भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख कूटनीतिक सम्मेलन, ''रायसीना संवाद'' 17-19 मार्च के बीच होगा जिसमें न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के अलावा कम से कम 20 देशों के विदेश मंत्री शिरकत करेंगे।

रायसीना संवाद के 10 वें संस्करण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 मार्च को करेंगे। न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे और मुख्य उद्बोधन देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा एवं आगे का मार्ग खोजने के लिए प्रतिबद्ध, दसवें रायसीना संवाद में मंत्रियों, पूर्व राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों, सैन्य कमांडरों, उद्योग के कप्तानों, प्रौद्योगिकी नेताओं, शिक्षाविदों, पत्रकारों, रणनीतिक मामलों के विद्वानों, अग्रणी थिंक टैंक और युवाओं के विशेषज्ञों सहित लगभग 125 देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी।

वर्ष 2025 के संस्करण का विषय ''कालचक्र - लोग, शांति और पृथ्वी'' है। तीन दिनों के दौरान, निर्णय निर्माता और दुनिया के विचार नेता छह विषयगत स्तंभों पर विभिन्न प्रारूपों में बातचीत में एक-दूसरे को संलग्न करेंगे।

लगभग 125 देशों के 3500 से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायमूर्ति बागची आज सर्वोच्च न्यायालय में शपथ लेंगे

नयी दिल्ली, 16 मार्च। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची सोमवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना उन्हें शपथ दिलाएंगे। सोमवार को उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वहां के अन्य न्यायाधीशों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अलावा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। न्यायमूर्ति बागची के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत के लिए स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो जाएगी।

न्यायमूर्ति बागची दो अक्टूबर 2031 को सेवानिवृत्त होंगे, उससे पहले वह मई (2031) में भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं। न्यायमूर्ति खन्ना के नेतृत्व वालेद्ध न्यायमूर्ति भूषण आर गवई, न्यायमूर्ति, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ के कॉलीजियम ने छह मार्च को न्यायमूर्ति बागची को पदोन्नित कर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की सिफारिश की थी। कॉलीजियम ने नियुक्ति की सिफारिश के लिए मूल्यांकन करते समय न्यायाधीश पद के संभावित उम्मीदवारों की योग्यता, ईमानदारी और न्यायिक क्षमता के अलावा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और वरिष्ठता आदि पहलुओं पर भी विचार किया।

पंजाब सरकार ने अमृतपाल पर से एनएसए हटाने का निर्णय लिया

असम के डिब्रूगढ़ में बंद अजनाला अटैक के आतंकी सांसद अमृतपाल अब पंजाब जेल में रहेंगे

- पंजाब सरकार ने कुछ समय पहले संकेत दिये थे कि राज्य में सभी अपराधिक मामलों की सुनवाई तेजी से होगी। अमृतपाल के निर्णय को उसी कड़ी में जोड़कर देखा जा रहा है।

चंडीगढ़, 16 मार्च। आतंकवाद के आरोपों में असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद अमृतपाल सिंह और उसके 7 सहयोगियों की पंजाब वापसी होगी। भगवंत मान की अगुवाई वाली सरकार ने अमृतपाल सिंह के ऊपर से एनएसए हटाने का फैसला किया है। अजनाला अटैक में अब अमृतपाल सिंह के ऊपर राज्य में केस चलेगा और उसे राज्य की जेल में ही रखा जाएगा। अमृतपाल सिंह, द वारिस पंजाब दे संगठन का नेता है। 2024 लोकसभा चुनावों में अमृतपाल सिंह ने जीत दर्ज करके चौंका दिया था। अमृतपाल से एनएसए हटाने की जानकारी पंजाब पुलिस से सामने आई है।

पंजाब सरकार के इस फैसले को अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई तेज करने से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले दिनों भगवंत मान सरकार ने संकेत दिए थे कि अब राज्य में तमाम आपराधिक मामलों की सुनवाई तेजी से होगी। इसी के बाद अब राज्य पुलिस अमृतपाल सिंह के खिलाफ फरवरी, 2023 के मामले में कार्रवाई तेज करने की कोशिश कर रही है। एनएसए हटने के बाद अब जल्द ही अमृतपाल सिंह को पंजाब लाया जा सकेगा। अमृतपाल के परिवार ने भी यही मांग की कि उसे पंजाब वापस ला जाए और उसके खिलाफ केस यहीं पर चले।

ज्ञातव्य है कि 23 फरवरी 2023 को लगभग 200-250 लोगों की भीड़ ने पंजाब के अजनाला पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। भीड़ घातक हथियारों से लैस थी। इसकी अगुवाई अमृतपाल सिंह ने की थी। भीड़ का उद्देश्य पुलिस हिरासत में लिए गए एक सहयोगी को छुड़ाना था। इस संघर्ष में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। कानूनी कार्रवाई के बाद अमृतपाल के कई सहयोगियों को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उसे असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में भेजा गया, लेकिन जेल में रहते हुए अमृतपाल ने पंजाब की चर्चित लोकसभा सीट खडूर साहिब से जीत हासिल कर ली थी।

अंतरिक्ष स्टेशन पर नये यात्रियों को देख सुनीता विलियम्स प्रसन्न हुई

नई दिल्ली, 16 मार्च। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के, लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों, बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ 'स्पेसएक्स' का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया।

इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा।

विल्मोर और सुनीता विलियम्स

- माना जा रहा है कि अगले सप्ताह सुनीता और विल्मोर को फ्लोरिडा के निकट जल क्षेत्र में उतारा जायेगा।

बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। ये चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

संविदाकर्मी माँ भी समान मातृत्व अवकाश की हकदार- हाई कोर्ट

जयपुर, 16 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे की मां, मां होती है, फिर चाहे वह नियमित आधार पर कार्यरत हो या संविदा के आधार पर। संविदा कर्मचारियों के नवजात शिशुओं को भी नियमित कर्मचारियों के बच्चों के समान जीवन का अधिकार है। इसके साथ ही अदालत ने 2 माह का मातृत्व अवकाश लेने वाली संविदा कर्मचारी को राहत दी है। अदालत ने कहा कि संविदा कर्मचारी को 180 दिन का मातृत्व अवकाश न देकर उसके अधिकारों का हनन किया

- अदालत ने पूर्ण मातृत्व अवकाश नहीं देने पर बकाया दिनों का नौ फीसदी ब्याज सहित अतिरिक्त वेतन देने के आदेश दिये।

गया है। अदालत ने कहा कि समय बीतने के कारण याचिकाकर्ता को बढ़ी हुई मातृत्व अवकाश की अवधि का अवकाश देना संभव नहीं है। ऐसे में शेष अवधि के लिए उसे नौ फीसदी ब्याज सहित अतिरिक्त वेतन अदा किया जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश बसंती देवी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

साल 2008 में दायर याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता साल 2003 में, नर्स ग्रेड द्वितीय के पद पर संविदा पर नियुक्त हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोई कितना भी बड़ा नेता हो, बैठक में तो आना होगा'

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित बैठक में गहलोत की अनुपस्थिति पर प्रभारी रंधावा ने तीखी टिप्पणी की

- डोटासरा ने कहा, राजस्थान में 50 जिलों में पार्टी के संगठन के बारे में चार सदस्यीय कमेटी बनाई जायेगी जो सारे निर्णय लेगी।
- प्रदेश कांग्रेस की इस विस्तारित बैठक में सचिन पायलट, सी.पी. जोशी तथा टीकाराम जूली शामिल हुए।

जयपुर, 16 मार्च। रविवार को बुलाई गई प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित बैठक से पहले प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रदेश कांग्रेस नेताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट रूप से कह दिया है कि जो पार्टी के लिए काम नहीं करते और केवल विजिटिंग कार्ड लेकर घूमते हैं, ऐसे नेताओं की पार्टी को कोई जरूरत नहीं है।

प्रदेश कांग्रेसअध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सचिन पायलट और सीपी जोशी की मौजूदगी में रंधावा ने कहा कि पार्टी से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह कितना भी बड़ा नेता हो, बैठक में तो आना ही पड़ेगा। मैंने सह-प्रभारियों और जिलाध्यक्षों को भी निर्देश दिए हैं कि बैठक में नहीं आने वाले नेताओं की रिपोर्ट तैयार कर पीसीसी को भेजें। रंधावा ने कहा कि राहुल गांधी ने भी गुजरात में कहा था कि पार्टी को सक्रिय करना है और इसके लिए ग्रास रूट तक कार्यकर्ता तैयार करने होंगे। उल्लेखनीय है कि अशोक गहलोत इस बैठक में उपस्थित नहीं थे।

रंधावा ने कहा कि राहुल गांधी ने भी गुजरात में दूसरी पार्टियों से मिलकर काम करने वाले नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाने का आदेश दिया है और मैं भी साफ-साफ कह रहा हूं कि जो लोग दूसरी पार्टियों से मिलकर काम कर रहे हैं, वे कांग्रेस के सदस्य नहीं रहेंगे। ऐसे लोगों की भी रिपोर्ट हम तैयार करवा रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के विधानसभा नहीं जाने को लेकर रंधावा ने कहा कि मैंने उनसे बात की है। नेता प्रतिपक्ष और पीसीसी अध्यक्ष के बीच अच्छा तालमेल है, लेकिन विधानसभा स्पीकर को भी धैर्य रखना चाहिए।

बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कल मेरी जगह और कोई था, आज मैं हूं कल और कोई होगा। फिर कोई तीसरा होगा। यह एक प्रक्रिया है, लेकिन संगठन मजबूत होगा तो ही पार्टी मजबूत होगी और हमारा यही प्रयास है कि निष्क्रिय लोगों को बाहर करके पार्टी के लिए काम करने वाले लोगों को ज्यादा मौके दिए जाएं।

गोविंद सिंह डोटासरा ने खुद के विधानसभा नहीं जाने को लेकर कहा कि यह एक टेक्निकल इशू है और जिस दिन यह दूर हो जाएगा, उस दिन में इस बारे में सभी को जानकारी दूंगा। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस ने 50 जिलों की संरचना के हिसाब से संगठन के विस्तार की तैयारी की है और इसके लिए चार सदस्यों की कमेटी बनाई जा रही है, जो तमाम निर्णय करेगी।

इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के बयान पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मेरे एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। जहां तक मंत्रियों की स्थिति है, वह पूरा राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)